पेश हो।

6/6/25

पत्रा. पेश हुई वादी एवं वकील वादी अनुपस्थित। वादी एवं वकील वादी को बार-2 आवाज लगवाई गई तदपरांत न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए चूंकि दावा वादी अदम हाजिरी अदम पैरवी में खारिज किया जा चुका है अतः प्रार्थना पत्र का कोई औचित्य शेष नहीं रहता है। प्रा. पत्र रजिस्टर पर खारिज किया जाता है।

पत्रा. फैसल शुमार हो. नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.11 17:46:16 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner